No. 2464 on the 9th September, 1959 and state:

(a) whether any decision has since been taken on the representations received in regard to total ban on import of Dammer Batu (Dhupresin) falling under Part IV Serial No. 49 (a) of the Import Trade Control; and

(b) if so, the nature thereof?

The Minister of Commerce (Shri Kanungo): (a) Yes, Sir.

(b) During the current licensing period, the item Dammer Batu has been separately specified *vide* S. No. 49(a)(ii)IV of the Import Trade Control Schedule and the quota reduced to 30 per cent.

I.F.S. Officers

1276. **Shri K. U. Parmar:** Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) the total number of I.F.S. officers on high posts like Ambassadors, High Commissioners, etc., under the Government of India; and

(b) the total number of Scheduled Caste officers among them?

The Prime Minister and Minister of External Affairs (Shri Jawaharlal Nehru): (a) There are 63 such officials belonging to Grades I to V of the Indian Foreign Service.

(b) Nil.

Indian Trainees in U.K. without Valid Passports

1277. **Shri H. N. Mukerjee:** Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of Indian trainees are at present in the U.K. without valid passports, after having "jumped ship"; and

(b) whether any steps are being taken to enable them to return home?

The Prime Minister and Minister of External Affairs (Shri Jawaharlal Nehru): (a) The total number of Indian merchant seamen trainees, who are reported to have "jumped ship" in the U.K. since 1956, is 319.

(b) When any such trainee applies to the Indian High Commission in London for facilities for repatriation, either on a working passage or as a passenger, the High Commission issue him an Emergency Certificate valid for return to India and assist him to obtain a working passage. Six persons were so repatriated during 1958 and 1959.

Tibetan Refugees

1278. **Shri Manaen:** Will the **Prime Minister** be pleased to state the number of Tibetan refugees in Sikkim, Kalimpong and Darjeeling?

The Prime Minister and Minister of External Affairs (Shri Jawaharlal Nehru): 4,820 in Sikkim, 1,444 in Kalimpong, and 44 in Darjeeling, as on 15th November, 1959.

Raw Material for Woollen Industry

1279. **Shri Ram Krishan Gupta:** Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is acute shortage of raw material for the woollen industry; and

(b) if so, the nature of steps taken or proposed to be taken to overcome this shortage?

The Minister of Commerce (Shri Kanungo): (a) There is some shortage of imported raw materials for the woollen industry due to foreign exchange stringency.

(b) A statement is laid on the Table. [*See* Appendix III, annexure No. 10.]

दन्त-चिकित्सा की कुर्सियां

१२८०. **श्री कुशवक्त राय :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में दन्त-चिकित्सा की कुर्सियां बनाने वाली फर्मों के नाम क्या हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि ये कुर्सियां टिकाऊ नहीं सिद्ध हुई हैं और अन्य देशों से मंगाई गई कुर्सियों की तुलना में घटिया भी हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि ये कुर्सियां बाहर से मंगाई गई कुर्सियों से अधिक महंगी हैं ; और

(घ) क्या इन कुर्सियों के आयात के लिए लाइसेंस दिये जाते हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) (१) मै० नैशनल स्टील इक्विपमेंट कं०, बम्बई और (२) मै० एसोसियेटड डेन्टल एण्ड मैडिकल सप्लाई कम्पनी, बम्बई ।

(ख) इस सम्बन्ध में प्रामाणिक जानकारी प्राप्त नहीं है । लेकिन डैन्टल कौंसिल आफ इंडिया, नयी दिल्ली ने १९५८ में कहा था कि भारत में बनी, दन्तचिकित्सा की कुर्सियां उतनी अच्छी नहीं हैं जितनी होनी चाहिएं ।

(ग) दन्तचिकित्सा की बाहर से मंगायी गयी कुर्सियों के विक्रय मूल्य सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध नहीं है ताकि देश में बनी कुर्सियों के मूल्य से उसकी तुलना की जा सके ।

(घ) दन्त चिकित्सा की मोटरयुक्त कुर्सियां ही आयात करने के लाइसेंस दिये जाते हैं । दन्त चिकित्सा की अन्य प्रकार की कुर्सियों के आयात पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा हुआ है ।

दिल्ली में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के क्वार्टरों में सुविधायें

१२८१. श्री भक्त दर्शन : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री २२ सितम्बर, १९५८ के अतारांकित प्रश्न संख्या २४८८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नई दिल्ली की पंचकुइयां सड़क पर स्थित चौथी श्रेणी के सरकारी कर्मचारियों के क्वार्टरों में बिजली व पानी की आवश्यक व्यवस्था क्या इस बीच कर दी गई है ; और

(ख) यदि नहीं, तो इसमें देरी के क्या कारण हैं ?

निर्माण, आवास तथा संभरण मंत्री (श्री क० च० रेड्डी) : (क) और (ख). अतारांकित प्रश्न संख्या २४८८ तिथि २२ सितम्बर, १९५८ के उत्तर में यह कहा गया था कि यदि तकनीकी जांच के बाद यह पता चला कि छतें बदलने के बाद क्वार्टर उचित समय तक काम देंगे, तो प्रत्येक दो क्वार्टरों के लिये एक गुसलखाना और एक पाखाना बनाया जायेगा और बिजली लगाई जायेगी। अब निरीक्षण से यह नतीजा निकला है कि डी० आई० जेड० क्षेत्र के क्वार्टरों की आयु समाप्त हो चुकी है तथा इन क्वार्टरों में छतों के बदलने का खर्च उचित नहीं होगा । यह ज्यादा अच्छा होगा कि क्रमशः इस क्षेत्र का दुबारा विकास किया जाये ताकि जमीन का अधिकतम उपयोग हो सके । इसलिये मौजूदा क्वार्टरों मे पानी और बिजली लगाने के सुझावों पर कार्यवाही बन्द कर दी गई है । पंचकुइयां सडक पर बने हुए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के क्वार्टरों को गिरा कर फिर से बनाने का कार्य पहली प्रावस्था में शामिल किया जायेगा ।

गढ़वाली कार्यक्रम का प्रसारण

१२८२. श्री भक्त दर्शन : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष १९५८-५९ में आकाशवाणी के दिल्ली केन्द्र से कुल कितने गढ़वाली लोक गीत व अन्य कार्यक्रम प्रसारित किये गये ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (डा० केसकर) : १९५८-५९ में आकाशवाणी